विश्वस्तरीय पहचान दिलाएगी प्रोमोट फार्मा

- फार्मा क्षेत्र में अनुसंधान, क्लिनिकल ट्रायल को बढ़ावा देगी कंपनी
- लखनऊ के बायोटेक पार्क में खुलेगा कंपनी का अस्थायी कार्यालय

लखनऊ, विशेष संवाददाता। फार्मा क्षेत्र में यूपी आत्मनिर्भर होगा। प्रदेश में फार्मास्यूटिकल रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोमोट फार्मा नामक कंपनी बनेगी। राज्य सरकार के नियंत्रण वाली यह कंपनी नो प्रोफिट-नो लॉस के सिद्धांत पर काम करेगी। फार्मा क्षेत्र में यूपी को विश्वस्तरीय पहचान दिलाएगी। यह संस्था राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों और निजी निवेशकर्ताओं की भागीदारी से फार्मा क्षेत्र में आइडिया टू मार्केट, अवधारणा को बढ़ावा देगी। फिलहाल इसे राजधानी लखनऊ के बायोटेक पार्क में प्रारंभ किया जाएगा। प्रोमोट फार्मा कंपनी बनाने के प्रस्ताव को मंगलवार को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

प्रदेश सरकार फार्मा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक नया प्रयोग करने जा रही है। इसे न सिर्फ फार्मास्यूटिकल बाजार में यूपी की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में शोध और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह संस्था नये अनुसंधान के साथ ही क्लीनिकल ट्रॉयल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रोमोट फार्मा का विजन बायोफार्मा तथा मेडिकल टेक्नालॉजी के क्षेत्र में विशिष्टता हासिल करना होगा। फिलहाल इसे लखनऊ के बायोटेक पार्क में शुरू किया जाना प्रस्तावित है। मगर निकट भविष्य में लखनऊ में किसी उपयुक्त स्थान का चयन और भूमि चिन्हित करके इसके स्थायी कैंपस का निर्माण किया जाएगा।

रोजगार सृजन भी होगा: यह संस्था फार्मा क्षेत्र में रिसर्च और नवाचारों को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फंडिंग एजेंसियों और निजी निवेशकर्ताओं की मदद से प्रदेश में फार्मास्यूटिकल गतिविधियां बढ़ने से नए रोजगार भी सृजित होंगे।

यह संस्था स्टार्टअप, शिक्षा जगह और उद्योग क्षेत्र के शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही उनके लिए एक मजबूत अनुसंस्थान एवं नवाचार आधारित ईको सिस्टम विकसित करेगी। इस नई कंपनी की स्थापना पर 500 करोड़ खर्च होंगे।